लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 27 February 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से

लखनऊ विश्वविद्यालय : डेढ़ लाख से ज्यादा विद्यार्थी देंगे परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में स्नातक पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से शुरू होंगी। दोनों सेमेस्टर को मिलाकर करीब डेढ़ लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठ ने बताया कि सभी परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली पाली सुबह नौ से 12 बजे तक चलेगी। जबकि दूसरी पाली दोपहर दो बजे से शुरू होगी। यह परीक्षाएं बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए व बीसीए समेत अन्य पाठ्यक्रमों की होंगी। परीक्षार्थी को केंद्र पर प्रवेश पत्र के साथ आना होगा।

शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए मांगे आवेदन

लखनऊ। लविवि ने शोध छात्राओं के लिए शुरू की गई छात्रवृत्ति शोध मेधा के लिए आवेदन मांगे हैं। पात्र छात्राएं 15 मार्च तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकती हैं। लविवि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत महिला शोधार्थियों को प्रतिमाह पांच हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। वर्तमान में विवि की 20 छात्राओं को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि विवि प्रतिवर्ष साक्षात्कार के जरिये दस छात्राओं को यह छात्रवृत्ति देता है। आवेदक यूजीसी नेट की परीक्षा पास होना चाहिए। साथ ही आवेदक अन्य किसी छात्रवृत्ति का लाभार्थी नहीं होना चाहिए।

छात्र कल्याण स्कॉलरशिप के लिए 313 आवेदन : विवि में छात्रों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई छात्र कल्याण स्कॉलरशिप के लिए अब तक 313 अभ्यर्थियों के आवेदन आए हैं। कर्मयोगी छात्रवृत्ति के लिए भी 222 आवेदकों ने आवेदन किया है। इन दोनों छात्रवृत्ति के आवेदन के लिए अंतिम तारीख 22 फरवरी थी। (संवाद)

विद्यार्थियों के लिए खोले गए संग्रहालय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 28 फरवरी से शुरू हो रहे तीन दिवसीय विज्ञान दिवस समारोह को लेकर रविवार को विवि के संग्रहालय व प्रयोगशालाओं को विद्यार्थियों के लिए खोल दिया गया। इसमें विद्यार्थियों को साइंस फिल्में दिखाने के साथ ही विशेषज्ञ कई विषयों पर अपने विचारों को प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन फिजिकस सोसायटी व फिजिक्स विभाग की ओर से किया जा रहा है। रविवार को विवि में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विभाग के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेल बीइंग थीम पर आधारित कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा देना है। (संवाद)

गांवों के विकास का आकलन करेगा लविवि

लखनऊ। लविवि का समाजकार्य विभाग विद्यार्थियों को डिग्री देने के साथ ही गांवों के विकास के लिए भी काम करेगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि विभाग ने विकासखंड माल के तीन गांव देवरीगजा, मवई खुर्द और अंबेडकरनगर को गोद लिया है। विभाग इन गांवों में आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य का आकलन करेगा। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: जनसंख्या घड़ी 28 से शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग स्थित जनसंख्या अनुसंधान केंद्र में जनगणना कार्य केंद्र का उद्घाटन 28 को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक करेंगे। साथ ही गेट नंबर दो के पास लगी भारतीय जनसंख्या घड़ी के बगल उत्तर प्रदेश की जनसंख्या बताने वाली घड़ी का भी उद्घाटन उप मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सांख्यिकी विभाग के महानिदेशक कल सिंह मौजूद रहेंगे। इसके अलावा पूरे देश के 18 जनसंख्या शोध केंद्र के प्रमुख और विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। जो कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के मद्देनजर यह तय करेंगे किकिन मुद्दों पर कार्य करना है।

एलयू: शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ। एलयू में छात्र केंद्रित योजनाओं के तहत महिला शोध छात्राओं से शोधमेधा छात्रवृति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख 15 मार्च है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में कर्मयोगी, कर्मोदय और शोधमेधा सहित कई अन्य नई योजनाओं की शुरुआत की गई। जिससे कि छात्रों का समग्र विकास हो सके।

जिलों के छात्रों के लिए खोला संग्रहालय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को मनाने के लिए तैयारी कर ली है। यहां 28 को ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेल बीइंग थीम पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही एलयू ने आसपास के जिलों के छात्रों के लिए प्रयोगशालाएं और संग्रहालय खोल दिए हैं। भौतिक विज्ञान विभाग के सभागार में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने कहा इससे छात्रों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

i-NEXT PAGE 2

छात्रवृति के लिए मांगे गए आवेदन

लखनऊ यूनिवर्सिटी की छात्र केंद्रित योजनाओं के तहत महिला शोध छात्राओं से शोधमेधा छात्रवृति के लिए आवेदन मांगे गए हैं. शोध छात्राएं 15 मार्च तक आवेदन पत्र जमा कर सकती हैं. यह शोधमेधा योजना का तीसरा चरण होगा. एलयू के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बीते तीन वर्षों में कर्मयोगी, कर्मोदय और शोधमेधा सहित कई अन्य नई योजनाओं की शुरुआत की है. शोधमेधा के तहत उन महिला शोध छात्रों को 5000 रुपये की छात्रवृति तीन वर्ष के लिए दी जाती है, जिन्हें किसी अन्य स्रोत से वित्तीय मदद या छात्रवृत्ति नही मिल रही हो. छात्रवृति के लिए वही छात्राएं आवेदन कर सकती हैं, जिन्होंने कोर्स वर्क पूरा कर लिया हो. छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि हर वर्ष 10 छात्राओं के चयन से वर्तमान मे 20 शोध छात्राओं को यह छात्रवृत्ति मिल रही है.

ओपन डे के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

लखनऊ यूनिवर्सिटी 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस ओपन डे के रूप में मनाने जा रहा है. एलयू ने शहर और आसपास के स्टूडेंट्स के लिए अपनी प्रयोगशालाएं और संग्रहालय खोल दिए हैं. कार्यक्रम की शुरुआत रविवार को भौतिकी विभाग के सभागार में डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन की मौजूदगी में हुआ. उन्होंने फिजिक्स सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की. एचओडी प्रो. एनके पांडेय ने छात्रों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया. तीन दिवसीय कार्यक्रम का समन्वयन फिजिक्स सोसाइटी, फिजिक्स विभाग की समंवयक प्रो. लीना सिन्हा एवं डॉ. ज्योत्सना सिंह ने किया.

जाना कैसे काम करता है थ्री-डी चश्मा

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में 28 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को हुआ. इसमें लखनऊ एवं आसपास के जिलों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया. उन्होंने मानव-विज्ञान, भूविज्ञान और जूलाजी के संग्रहालयों को भी देखा. शिक्षकों ने उन्हें थ्री-डी चश्मे के काम करने के तरीके से लेकर विज्ञान के अलग-अलग क्षेत्रों के बारे में भी बताया. रविवार को तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टंडन ने किया. पहला दिन 'युवा दिमाग में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना' विषय पर केंद्रित रहा. विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय ने छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया. शक्षकों ने छात्रों को दिन-प्रतिदिन से जुड़ी वैज्ञानिक घटनाओं के बारे में बताया. प्रो. ओंकार प्रसाद ने ध्रुवीकरण और थ्री-डी चश्मे के काम करने पर बताया कि मनुष्यों की दोनों आंखें टू-डी में किसी एक चित्र को अलग-अलग तरीके से देखती हैं. कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स और टीचर्स भी मौजूद रहे.

एलयू में एग्जाम के लिए करीब डेढ़ लाख विद्यार्थी हैं पंजीकृत

यूजी फर्स्ट और थर्ड सेमेस्टर एग्जाम की आज से शुरुआत

i UPDATE

परीक्षा में नकल रोकने के लिए उड़ाका दल गठित कर दिए गए हैं

LUCKNOW (26 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं की शुरुआत सोमवार से होगी. इन परीक्षाओं में डेढ़ लाख से ज्यादा परीक्षार्थी पंजीकृत हैं. परीक्षा को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है. नकल रोकने के लिए उड़ाका दल गठित कर दिए गए, जो कि लखनऊ सहित पांचों जिलों के परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे.

नहीं होने दी जाएगी नकल

लखनऊ यूनिवर्सिटी की एमएलबी, एलएलएम और स्नातक पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं चल रही हैं. अब स्नातक पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं भी सोमवार से शुरू हो जाएंगी. पहले दिन इन परीक्षाओं में करीब 23 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे. परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षाओं को लेकर केंद्र व्यवस्थापकों को पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं. रविवार को चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने भी प्राक्टोरियल बोर्ड के साथ नकल विहीन परीक्षा कराने को लेकर रणनीति बनाई.

इन विषयों की परीक्षाएं आज

सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक

बीए प्रथम सेमेस्टर एनईपी में फ्रेंच, फंग्शनल संस्कृत, उर्दू, संस्कृत, पाली(मेजर, माइनर) प्रथम पेपर, बीएससी प्रथम सेमेस्टर एनईपी में जियोलाजी (मेजर, फाइनर)-प्रथम पेपर, बीएससी होम साइंस प्रथम सेमेस्टर में फंडामेंटल्स आफ फूड्स (मेजर, फाइनर), बीबीए, बीबीएआईबी, बीबीएएमएस प्रथम सेमेस्टर में बिजनेस कम्युनिकेशन और बीकाम आनर्स प्रथम सेमेस्टर में प्रिंसिपल्स आफ इकोनामिक्स.

दोपहर दो से शाम पांच बजे तक

बीकाम तीसरे सेमेस्टर रेगुलर में बिजनेस फाइनेंस प्रथम पेपर, बीए तृतीय सेमेस्टर एनईपी में फ्रेंच, फंग्शनल संस्कृत, उर्दू, संस्कृत, पाली (मेजर, माइनर) प्रथम पेपर, बीएससी तीसरे सेमेस्टर एनईपी में जियोलाजी (मेजर, माइनर) प्रथम पेपर, बीएससी होम साइंस तीसरा सेमेस्टर में न्यूट्रिशन फार फैमिली (मेजर, माइनर).

शोध मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन 15 मार्च तक

LUCKNOW (26 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय ने कैंपस में पढ़ने वाली महिला शोधार्थियों से शोध मेधा छात्रवृति के लिए आवेदन मांगे हैं. यह शोध मेधा योजना का तीसरा चरण होगा. पीएचडी की छात्राएं 15 मार्च तक गूगल फार्म के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं. शोध मेधा के अंतर्गत उन महिला शोधार्थियों को 5000 रुपये की छात्रवृति तीन वर्ष के लिए दी जाती है, जिन्हें किसी अन्य स्रोत से वित्तीय मदद अथवा छात्रवृत्ति न मिल रही हो. छात्रवृति के लिए नेट जेआरएफ, नेट लेक्चरर शिप (एलएस) व द ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) उत्तीर्ण करने के साथ ही पीएचडी कोर्स वर्क पूरा करने वाली छात्राएं आवेदन कर सकती हैं. एलयू ने कर्मयोगी योजना और छात्र कल्याण योजना के तहत 22 फरवरी तक आवेदन मांगे थे. प्रो. पूनम ने बताया कि छात्र कल्याण में 313 और कर्मयोगी में 222 आवेदन आए हैं. इसमें 50 दिन कार्य करने पर 15 हजार रुपये और इंटर्नशिप का प्रमाणपत्र दिया जाता है.

JAGRAN CITY PAGE III

शोध मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन 15 मार्च तक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने कैंपस में पढ़ने वाली महिला शोधार्थियों से शोध मेधा छात्रवृति के लिए आवेदन मांगे हैं। यह शोध मेधा योजना का तीसरा चरण होगा। पीएचडी की छात्राएं 15 मार्च तक गूगल फार्म https://forms.gle/hpShD9y5AXTiGo2i6 के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में शोध मेधा के अंतर्गत उन महिला शोधार्थियों को 5000 रुपये की छात्रवृत्ति तीन वर्ष के लिए दी जाती है, जिन्हें किसी अन्य स्रोत से वित्तीय मदद अथवा छात्रवृत्ति न मिल रही हो। छात्रवृति के लिए नेट जेआरएफ, नेट लेक्चरर शिप (एलएस) व द ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) उत्तीर्ण करने के साथ ही पीएचडी कोर्स वर्क पूरा करने वाली छात्राएं आवेदन कर सकती हैं।

विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि पिछले वर्ष शोध मेधा योजना के तहत विभिन्न विभागों से 50 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें 10 छात्राओं का चयन साक्षात्कार के आधार पर किया गया था। अब तक 20 शोध छात्राओं को यह छात्रवृत्ति मिल रही है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने छात्र हित में पिछले तीन वर्षों में कर्मयोगी, कर्मोंदय तथा शोध मेधा सहित कई अन्य नई योजनाओं की शुरुआत की है।

इन छात्रवृत्ति के परिणाम अगले महीने : लवि ने कर्मयोगी योजना और छात्र कल्याण योजना के तहत 22 फरवरी तक आवेदन मांगे थे। प्रो. पूनम ने बताया कि छात्र कल्याण में 313 और कर्मयोगी में 222 आवेदन आए हैं। इसमें 50 दिन कार्य करने पर 15 हजार रुपये और इंटर्नशिप का प्रमाणपत्र दिया जाता है।

विद्यार्थियों ने जाना, कैसे काम करता है थ्री-डी चश्मा

लवि के भौतिक विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे विद्यार्थी • सौजन्य से लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में 28 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को हुआ। इसमें लखनऊ एवं आसपास के जिलों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उन्होंने मानव-विज्ञान, भूविज्ञान और जूलाजी के संग्रहालयों को भी देखा। शिक्षकों ने उन्हें थ्री-डी चश्मे के काम करने के तरीके से लेकर विज्ञान के अलग-अलग क्षेत्रों के बारे में भी बताया।

रविवार को तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टंडन ने किया। पहला दिन 'युवा दिमाग में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना' विषय पर केंद्रित रहा। विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय ने छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षकों ने छात्रों को दिन-प्रतिदिन से जुड़ी वैज्ञानिक घटनाओं के बारे में बताया। प्रो. ओंकार प्रसाद ने ध्रुवीकरण और थ्री-डी चश्मे के काम करने पर बताया कि मनुष्यों की दोनों आंखें टू-डी में किसी एक चित्र को अलग-अलग तरीके से देखती हैं। ब्रेन पैरेलेक्स के उपयोग से आब्जेक्ट की विभिन्न दूरियों को तय करके उसे थ्री-डी पिक्चर में बदल देता है। प्रो. मनीषा गुप्ता ने अल्टरनेटिव करंट (एसी) मेंस की फ्रीक्वेंसी, डा. आरबी सिंह ने वर्ण विक्षेपण, डा. अतुल श्रीवास्तव ने कैथोड रे आसिलोस्कोप (सीआरओ) के माध्यम से माप के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का समन्वयन फिजिक्स सोसाइटी की समन्वयक प्रो. लीना सिन्हा एवं डा. ज्योत्सना सिंह ने किया।

आज और कल हर किसी के लिए खुला रहेगा संग्रहालय

प्रो. एनके पांडेय ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सोमवार और मंगलवार को दोपहर एक से शाम चार बजे तक विज्ञान के सभी विभागों के संग्रहालय और प्रयोगशालाएं लोगों के देखने के लिए खुली रहेंगी। 28 फरवरी को भौतिक विज्ञान विभाग मे प्रदर्शनी भी लगेगी, जिसमे विज्ञान के सभी विभाग अपनी नई खोज से जुड़ी प्रदर्शनी लगाएंगे।

लवि : स्नातक पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) की स्नातक पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं की शुरुआत सोमवार से होगी। इन परीक्षाओं में डेढ़ लाख से ज्यादा परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। नकल रोकने के लिए उड़ाका दल गठित कर दिए गए। रविवार को चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने भी प्राक्टोरियल बोर्ड के साथ नकल विहीन परीक्षा कराने को रणनीति बनाई

सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक : बीए प्रथम सेमेस्टर एनईपी में फ्रेंच, फंग्शनल संस्कृत, उर्दू, संस्कृत, पाली (मेजर, माइनर) प्रथम पेपर, बीएससी प्रथम सेमेस्टर एनईपी में जियोलाजी (मेजर, फाइनर)-प्रथम पेपर, बीएससी होम साइंस प्रथम सेमेस्टर में फंडामेंटल्स आफ फूड्स (मेजर, फाइनर), बीबीए, बीबीएआईबी, बीबीएएमएस प्रथम सेमेस्टर में बिजनेस कम्युनिकेशन व बीकाम आनर्स प्रथम सेमेस्टर में प्रिंसिपल्स आफ इकोनामिक्स।

दो से शाम पांच बजे तक : बीकाम तीसरे सेमेस्टर रेगुलर में बिजनेस फाइनेंस प्रथम पेपर, बीए तृतीय सेमेस्टर एनईपी में फ्रेंच, फंग्शनल संस्कृत, उर्दू, संस्कृत, पाली (मेजर, माइनर) प्रथम पेपर, बीएससी तीसरे सेमेस्टर एनईपी जियोलाजी (मेजर माइनर) प्रथम पेपर, बीएससी होम साइंस तीसरा सेमेस्टर में न्यूट्रिशन फार फैमिली (मेजर, माइनर)।

NBT PAGE 4

शोधमेधा छात्रवृत्ति के लिए मांगे आवेदन

एनबीटी सं, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी में महिला शोधार्थियों से शोधमेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 मार्च है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को बताया कि इसमें उन शोध छात्राओं को 5000 रुपये की छात्रवृत्ति तीन वर्ष के लिए दी जाती है जिन्हें किसी अन्य स्रोत से वित्तीय मदद न मिल रही हो। जिन छात्राओं का कोर्सवर्क पूरा हो चुका है, वही छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकती हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

एलयू मनाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, खोली गयी लैब

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाएगा, जिसमें लखनऊ और आसपास के जिलों के छात्रो के लिए अपनी प्रयोगशालाएं और संग्रहालय खोल दिए है। कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को भौतिकी विभाग के सभागार में किया गया। एचओडी प्रो. एन.के. पाण्डेय ने छात्रों को उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के शुरुआती ज्ञान से छात्रों को उच्च शिक्षा में करियर के चयन में सुविचारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का समन्वयन फिजिक्स सोसाइटी, फिजिक्स विभाग की समन्वयक प्रो. लीना सिन्हा एवं डॉ. ज्योत्सना सिंह द्वारा किया जा रहा है।

PIONEER PAGE 3

छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए किया प्रोत्साहित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विवि 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके लिए विवि ने लखनऊ और आसपास के जिलों के छात्रो के लिए अपनी प्रयोगशालाएं और संग्रहालय खोल दिए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ भौतिकी विभाग के सभागार में डीन एकेडमिक्स प्रो पूनम टंडन की उपस्थिति में किया गया। उन्होंने फिजिक्स सोसायटी के प्रयासों की सराहना की और कहा कि समाज में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों की बहुत आवश्यकता है। एचओडी प्रो एन के पाण्डेय ने छात्रों को उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के शुरुआती ज्ञान से छात्रों को उच्च शिक्षा में करियर के चयन में सुविचारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम का समन्वयन फिजिक्स सोसाइटी, फिजिक्स विभाग की समन्वयक प्रो लीना सिन्हा एवं डॉ ज्योत्सना सिंह द्वारा किया जा रहा है। इस वर्ष के विज्ञान दिवस की थीम ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेल बीइंग पर आधारित हैं।

तीन दिवसीय कार्यक्रम का पहला दिन युवा दिमाग में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना विषय पर केंद्रित है। विभिन्न कार्यक्रमों में लखनऊ एवं आस.पास के जिलों के स्कूली छात्र.छात्राओं ने उत्साह एवं रुचि के साथ भाग लिया। सात स्कूलों के छात्रों ने विभाग का दौरा किया और विभाग के संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। प्रो ओंकार प्रसाद ने ध्रुवीकरण और थ्री डी चश्मे पर बात की। प्रो मनीषा गुप्ता ने एसी मेन्स की फ्रीक्वेंसी के बारे में बताया। डॉ आर बी सिंह ने डिस्पर्सिव पावर के बारे में बात की और डॉ पुनीत कुमार ने सरफेस टेंशन के विषय पर, डॉ अतुल श्रीवास्तव ने सीआरओ के माध्यम से माप के बारे में विस्तार से बताया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लखनऊ सहित अन्य जिलों के छात्रों के लिए एलयू ने खोले अपने द्वार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। दूरदर्शी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में

= ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेल बीइंग पर आधारित है कार्यक्रम की थीम

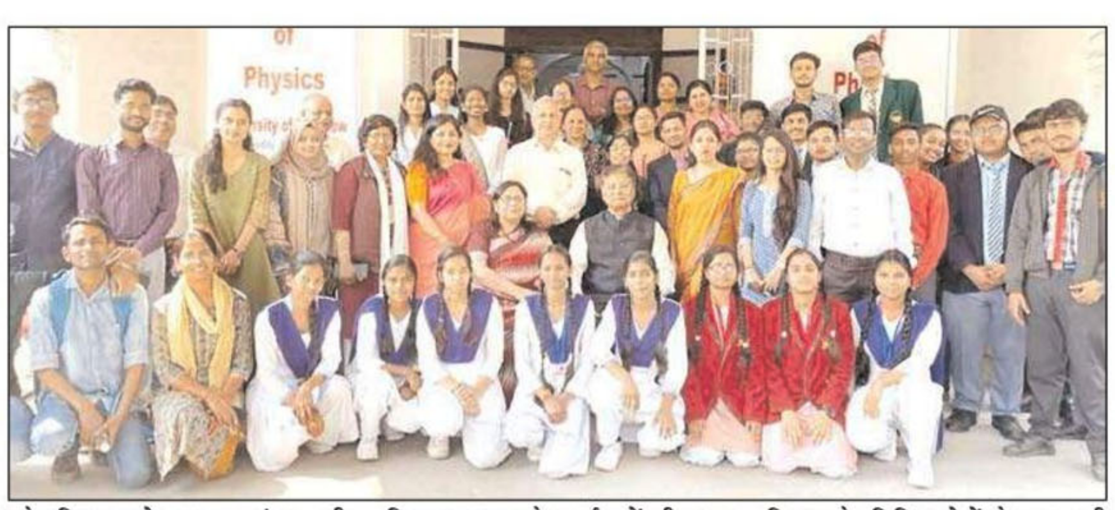

लखनऊ विश्वविद्यालय 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। एलयू ने लखनऊ और आस-पास के जिलों के छात्रों के लिए अपनी प्रयोगशालाएं और संग्रहालय खोल दिए हैं। इस कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को भौतिकी विभाग के सभागार में डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन की उपस्थिति में किया गया। उन्होंने फिजिक्स सोसायटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों की बहुत आवश्यकता है। एचओडी प्रो. एन.के. पाण्डेय ने छात्रों को उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के शुरुआती ज्ञान से छात्रों को उच्च शिक्षा में करियर के चयन में सुविचारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का समंवयन फिजिक्स सोसाइटी, फिजिक्स विभाग की समन्वयक प्रो. लीना सिन्हा एवं डॉ. ज्योत्सना सिंह द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम इस वर्ष के विज्ञान दिवस की थीम, ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेल बीइंग पर आधारित हैं। तीन दिवसीय कार्यक्रम का पहला दिन युवा दिमाग में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना विषय पर केंद्रित है। विभिन्न कार्यक्रमों में लखनऊ एवं आस-पास के जिलों के स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साह एवं रुचि के साथ भाग लिया। 7 स्कूलों के छात्रों ने विभाग का दौरा कर विभाग के संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। पांच संकाय सदस्यों ने स्कूली छात्रों को दिन-प्रतिदिन से जुड़ी वैज्ञानिक घटनाओं का वर्णन किया। मानव-विज्ञान, भूविज्ञान और जूलॉजी के संग्रहालयों की यात्रा छात्रों के बीच एक बड़ा क्रेज है।

प्रो. ओंकार प्रसाद ने ध्रुवीकरण और 3-डी चश्मे पर, प्रो. मनीषा गुप्ता ने एसी मेंस की फ्रीक्वेंसी के बारे में, डॉ. आर.बी. सिंह ने डिस्पर्सिव पावर के बारे में, डॉ. पुनीत कुमार ने सरफेस टेंशन के विषय पर और डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने सीआरओ के माध्यम से माप के बारे में विस्तार से बताया।

प्रकृति और विज्ञान के विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ने युवा मन को स्थायी समाज के विचार के प्रति संवेदनशील बनाया। पहले दिन के कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी व संतोष देखकर उनकी सफलता का अंदाजा लगाया जा सकता था।

महिला शोध छात्राओं से शोधमेधा छात्रवृत्ति के लिए मांगे आवेदन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू की छात्र केंद्रित योजनाओं के तहत महिला शोध छात्राओं से शोधमेधा छात्रवृति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। ज्ञात हो कि यह शोधमेधा योजना का तृतीय चरण होगा। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा छात्र हित में पिछले तीन वर्षों में कर्मयोगी, कर्मोंदय तथा शोध मेधा सहित कई अन्य नई योजनाओं की शुरुआत करी है जिससे छात्रों को समग्र विकास की दिशा में बेहतरीन अवसर के साथ वित्तीय सहायता भी प्राप्त हो रही है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 मार्च रखी गई है।

शोधमेधा के अंतर्गत उन महिला शोध छात्रों को 5000 रुपये की छात्रवृति तीन वर्ष के लिए दी जाती है जिन्हें किसी अन्य स्रोत से वित्तीय मदद अथवा छात्रवृत्ति न मिल रही हो। छात्रवृति के लिए वही छात्राएं आवेदन कर सकती हैं जिन्होंने कोर्स वर्क पूरा कर लिया हो। छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विगत वर्ष शोधमेधा योजना के तहत विभिन्न विभागों से 50 भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें 10 छात्राओं का चयन साक्षात्कार के आधार पर किया गया था। प्रतिवर्ष 10 छात्राओं के चयन से वर्तमान में 20 शोध छात्राओं को यह छात्रवृत्ति मिल रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, एनईपी 2020 के अनुरूप, इस प्रकार के कार्यक्रम से छात्राओं के लिए एक कार्यकुशल और सहायक वातावरण सुनिश्चित करने मे काफी मदद मिलती है। लखनऊ विश्वविद्यालय पहला राज्य विश्वविद्यालय है जो इस तरह की छात्र केंद्रित योजनाएं शुरू करके अपने छात्र-छात्राओं को लाभान्वित कर रहा है।

VoL PAGE 2

लविवि में शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 15 तक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्र केंद्रित योजनाओं के तहत महिला शोध छात्राओ से शोधमेधा छात्रवृति के लिए आवेदन मागे गए हैं। यह शोधमेधा योजना का तृतीय चरण होगा। इसमें अब तक छात्र कल्याण में 313 और कर्मयोगी में कुल 222 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा छात्र हित मे पिछले तीन वर्षो मे कर्मयोगी, कर्मोदय तथा शोधमेधा सहित कई अन्यनई योजनाओं की शुरूआत की है जिससे छात्रों को समग्र विकास की दिशा मे बेहतरीन अवसर के साथ वित्तीय सहायता भी प्राप्त हो रही है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 मार्च रखी गई है।

शोधमेधा के अंतर्गत उन महिला शोध छात्रों को पांच हजार रुपये की छात्रवृति तीन वर्ष के लिए दी जाती है जिन्हे किसी अन्य स्रोत से वित्तीय मदद अथवा छात्रवृत्ति न मिल रही हो। छात्रवृति के लिए वही छात्राऐं आवेदन कर सकती हैं जिन्होने कोर्स वर्क पूरा कर लिया हो।

छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि विगत वर्ष शोधमेधा योजना के तहत विभिन्न विभागों से 50 भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमे 10 छात्राओ का चयन साक्षात्कार के आधार पर किया गया था। प्रति वर्ष 10 छात्राओ के चयन से वर्तमान मे 20 शोध छात्राओ को यह छात्रवृत्ति मिल रही है। उन्होने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, इस प्रकार के कार्यक्रम से छात्राओं के लिए एक कार्यकुशल और सहायक वातावरण सुनिश्चित करने मे काफी मदद मिलती है। लखनऊ विश्वविद्यालय पहला राज्य विश्वविद्यालय जो इस तरह की छात्र केंद्रित योजनाएं शुरू करके अपने छात्र छात्राओं को लाभान्वित कर रहा है।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

{ NATIONAL SCIENCE DAY INITIATIVE }

LU opens museums, labs for outside students till Feb 28

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: : Ahead of the National Science Day on February 28, the Lucknow University (LU) has opened its laboratories and museums for students from Lucknow and adjacent districts.

The three-day programme was inaugurated on Sunday with school students of Lucknow and nearby districts participating in different programmes. Students from seven schools also visited the LU's Physics department and interacted with faculty members who described day-to-day life science phenomenon to them. Professor Onkar Prasad spoke on polarisation and 3-D glasses, prof Manisha Gupta explained frequency of AC mains, Dr RB Singh talked about 'dispersive power' and Punit Kumar spoke on surface tension while Atul Srivastava elaborated upon measurements through CRO.

A quiz competition on Nature and Science sensitised the young minds towards the idea of sustainable society. Dean, academics, professor Poonam Tandon said such programmes were needed for fostering scientific temper in the society. She also appreciated the efforts of the physics society. Head of physics department prof NK Pandey said an early exposure to various fields of science will help students take considered decision while selecting a career in higher education.